भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4032
दिनांक 19 दिसंबर, 2024

पीएमयूवाई के अंतर्गत एलपीजी कवरेज

†4032. डॉ. कडियम काव्य :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अंतर्गत देश में एलपीजी कवरेज में वृद्धि करने के लिए कौन-कौन सी कार्यनीतियां और प्रयास किए गए हैं; और

(ख) इस पहल ने ग्रामीण परिवारों, विशेषकर सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की महिलाओं के जीवन पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव डाला है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख): देश भर में गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को जमानत राशि के बिना एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के प्रयोजन से मई, 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का आरम्भ किया गया था। दिनांक 01.12.2024 की स्थिति के अनुसार, देश में 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं।

देश भर में एलपीजी तक पहुँच को समुन्नत करने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ पीएमयूवाई को प्रोत्साहित करने के निमित्त अभियान चलाना, कनेक्शनों का नामांकन और वितरित करने के निमित्त मेला/शिविर आयोजित करना, आउट ऑफ होम (ओओएच) होर्डिंगों, रेडियो जिंगलों, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैनों आदि के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना, अन्य पारंपरिक ईंधनों की तुलना में एलपीजी का उपयोग करने के लाभों और एलपीजी पंचायतों के माध्यम से एलपीजी का सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूकता

फैलाना, विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नामांकन/जागरूकता शिविर, पीएमयूवाई कनेक्शन प्राप्त करने के निमित्त आधार नामांकन और बैंक खाता खोलने के लिए उपभोक्ताओं और उनके परिवारों की सुविधा प्रदान करना, एलपीजी कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण, www.pmuy.gov.in पर पीएमयूवाई कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन, निकटतम एलपीजी वितरक, जन सहायता केन्द्र (सीएससी) इत्यादि, 5 किलोग्राम के डबल बॉटल कनेक्शन (डीबीसी) का विकल्प, 14.2 किलोग्राम से 5 किलोग्राम के सिलेंडर में अदला-बदली का विकल्प और प्रवासी परिवारों के लिए निवास प्रमाण और राशन कार्ड के बजाय स्व-घोषणा के आधार पर नया कनेक्शन प्राप्त करने की सुविधा, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत अप्रैल से दिसंबर 2020 तक पीएमयूवाई लाभार्थियों को निःशुल्क 3 रिफिल आदि शामिल हैं। इसके अलावा, ओएमसीज लगातार नए एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, शुरू कर रही हैं। पीएमयूवाई योजना की शुरुआत से ही, ओएमसीज ने पूरे देश में 7944 डिस्ट्रीब्यूटरशिपों (दिनांक 01.04.2016 से दिनांक 31.10.2024 के दौरान शुरू किए गए) की शुरूआत की गई है, जिनमें से 7361 (अर्थात 93%) ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत है।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 से सरकार द्वारा सिलेंडर के लिए जमानत राशि (एसडी), प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा होज, डीजीसीसी बुकलेट और इंस्टॉलेशन शुल्क के निमित्त वहन किए जाने वाले व्यय को बढ़ाकर 14.2 किलोग्राम सिंगल बॉटल कनेक्शन/5 किलोग्राम डबल बॉटल कनेक्शन के लिए 2,200 रुपए प्रति कनेक्शन और 5 किलोग्राम सिंगल बॉटल कनेक्शन के लिए 1,300 रुपये प्रति कनेक्शन कर दिया गया है।

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाने तथा उनके द्वारा एलपीजी का निर्बाध उपयोग सुनिश्चित करने के निमित्त, सरकार ने मई, 2022 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों के लिए प्रति वर्ष 12 रिफिल तक 200 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की निर्धारित राजसहायता की शुरूआत की। इसके अलावा, अक्टूबर, 2023 में, सरकार ने सभी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) लाभार्थियों के लिए निर्धारित राजसहायता को बढ़ाकर 300 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर कर दिया। 300 रुपए प्रति सिलेंडर (तथा 5 किलोग्राम सिलेंडर के लिए समानुपातिक यथानिर्धारित) की निर्धारित राजसहायता के साथ, पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर का मौजूदा प्रभावी मूल्य 503 रुपए (दिल्ली में) है।

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी तक पहुँच और वहनीयता सुनिश्चित करने के परिणामस्वरूप, पीएमयूवाई लाभार्थियों की प्रति व्यक्ति खपत (14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर के संदर्भ में) 3.68 (वित्त वर्ष 2021-22) से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 3.95 और वित्त वर्ष 2024-25 (अक्टूबर, 2024 तक) 4.34 हो गई है। पीएमयूवाई खपत में अक्टूबर, 2023 की तुलना में अक्टूबर, 2024 के दौरान 24.3% की वृद्धि प्रदर्शित हुई है (इस अवधि के दौरान पीएमयूवाई के कुल खपत में 459 टीएमटी से 570.7 टीएमटी बढ़ोत्तरी हुई है)।

विभिन्न स्वतंत्र अध्ययनों और प्रतिवेदनों से अभिज्ञात हुआ है कि पीएमयूवाई योजना का ग्रामीण परिवारों, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में महिलाओं और परिवारों के जीवन पर विशेष सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके कुछ प्रमुख लाभ निम्नानुसार हैं :-

i. पीएमयूवाई के परिणामस्वरूप पारंपरिक रूप से भोजन पकाने के तरीकों, जिसमें लकड़ी, गोबर और फसल अवशेषों जैसे ठोस ईंधन को जलाना शामिल है, में बदलाव आया है । स्वच्छ ईंधन के उपयोग से घर के अंदर वायु प्रदूषण कम होता है, जिससे श्वसन से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं, विशेषकर महिलाएँ और बच्चे जो पारंपरिक रूप से घरेलू धुएँ के संपर्क में अधिक आते हैं, में सुधार होता है।

ii. ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार, विशेषकर दूरदराज के क्षेत्रों में, अक्सर अपने समय और ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पारंपरिक रूप से भोजन पकाने के ईंधन को इकट्ठा करने में निकाल देते हैं। एलपीजी ने गरीब परिवारों की महिलाओं द्वारा भोजन पकाने में लगने वाले समय और मेहनत को कम किया है। इस प्रकार, उनके पास उपलब्ध खाली समय का उपयोग कई क्षेत्रों में आर्थिक उत्पादकता बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

iii. बायोमास और पारंपरिक ईंधन से एलपीजी में बदलाव से भोजन पकाने के प्रयोजन से लकड़ी और अन्य बायोमास पर निर्भरता कम हो जाती है, जिससे वनों की कटाई और पर्यावरण क्षरण में कमी आती है। इससे न केवल परिवारों को लाभ होता है, बल्कि व्यापक रूप से पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रयासों में भी योगदान मिलता है।

iv. बेहतर भोजन पकाने की सुविधाओं के साथ, पोषण पर संभाव्य सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। परिवारों के विभिन्न प्रकार के पौष्टिक भोजन को पकाना आसान हो जाता है, जिससे समग्र स्वास्थ्य में सवंर्धन होता है।

****